No. of Printed Pages : 5 **BSKLA–135**

ch- ,- (lkekU;) laLd`r
(ch- ,- th-)
l=kkar ijh{kk
twu] 2024

बी.एस.के.एल.ए.-135 : संस्कृत भाषा और साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

*(ii) इस प्रश्न-पत्र में **तीन** खण्ड दिए गए हैं।*

(iii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

(व्याख्या आधारित प्रश्न)

1. अधोलिखित श्लोक तथा गद्यांश की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क)न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्यो लप्स्यामहे वित्तमद्राक्ष्म चेत् त्वा।

जीविष्यामो यावदीशिष्यसि त्वं वरस्तु मे वरणीयः स एव॥

अथवा

ब्रह्मादित्यमुन्नयति, देवास्तस्थाभितश्चराः।
धर्मश्चास्तं नयति सत्ये च प्रतितिष्ठति॥

(ख) इह खलु संवत्सरं षडङ्गमृतुविभागेन विद्यात्। तत्र आदित्यस्योद्गमनम् आदानं च त्रीनृतून् शिशिरदीन् ग्रीष्मान्तात् व्यवस्यत, वर्षादीन् पुनहैमन्तान्तात् दक्षिणायनं विसर्गं च॥ तत्र रविर्भाभिः आददानो जगतः स्नेहं वायवः तीव्ररूक्षाः च उपशोषयन्तः शिशिरवसन्त-ग्रीष्मेषु यथाक्रमं रौक्ष्यमुत्पादयन्तो रुक्षान् रसान् तिक्त-कषाय-कटुकांश्चाभिवर्धयन्तो नृणां दौर्बल्यम् आवहन्ति॥

अथवा

अस्ति मगधदेशे चम्पकवती नामारण्यानी। तस्यां चिरान्महता स्नेहेन मृगकाकौ निवसतः। स च मृगः स्वेच्छया भ्रामयन्हृष्टपुष्टाङ्गः केनचित् शृगालेन अवलोकितः/तं दृष्ट्वा शृगालः अचिन्तयत्-'आः कथमेतन्मासं सुललितं भक्षयामि ? भवतु, विश्वासं तावदुत्पादयामि।' इत्यालोच्य उपसृत्य अब्रवीत्- "मित्र ! कुशंल ते ? मृगेणोक्तम्। कस्त्वम् स

ब्रूते—"क्षुद्रबुद्धिनामा जम्बुकोऽहम्। अत्र अरण्ये बन्धुहीनो मृतवन् निवसामि। इदानीं त्वां मित्रम् आसाद्य पुनः सबन्धुर्जीवलोकं प्रविष्टः अस्ति। अधुना तवानुचरेण मया सर्वथा भवितव्यम्।"

खण्ड—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. निम्नलिखित में सूत्र-सहित सन्धि के नामोल्लेखपूर्वक सन्धि कीजिए— 5

   (i) पितृ + अर्थम्

   (ii) षट् + मुखः

   (iii) महा + ऐश्वर्यम्

   (iv) महा + ऋषि

   (v) क्रतुः + इह

3. निम्नलिखित शब्दों के रूप में लिखिए : 5

   (i) 'राम' शब्द के चतुर्थी विभक्ति में

   (ii) 'गुरु' शब्द के षष्ठी विभक्ति में

(iii) 'नदी' शब्द के तृतीया विभक्ति में

(iv) 'मातृ' शब्द के सप्तमी विभक्ति में

(v) 'फल' शब्द के प्रथमा विभक्ति में

4. वाक्य की परिभाषा देते हुए उसके भेदों का वर्णन कीजिए। 5

5. कठोपनिषद् में वर्णित नचिकेता के तीन वरों को संक्षेप में लिखिए। 5

6. 'कुमारसम्भव' में पार्वती द्वारा वर्णन किए गए शिव के स्वरूप को लिखिए। 5

7. कथासाहित्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। 5

8. समाचार के अंगों का वर्णन कीजिए। 5

9. संस्कृत माध्यम के लेखन, भाषण और पठन के लिए आवश्यक **पाँच** बिन्दुओं को लिखिए। 5

10. निम्नलिखित रेखाङ्कित पदों को शुद्ध रूप में लिखिए— 5

(i) रामः <u>बालकं</u> फलं ददाति।

(ii) छात्रद्वयं <u>पठतः</u>।

(iii) <u>सः</u> पत्रं पठ्यते।

(iv) अहं गृहम् आगत्वा पठिष्यामि।

(v) सर्वाः बालकाः पठन्ति।

11. संक्षेपण की प्रक्रिया लिखिए। 5

खण्ड—ग

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

12. संस्कृत गद्यकाव्य की विशेषताएँ बताते हुए शुकनासोपदेश में वर्णित लक्ष्मी का स्वरूप लिखिए। 10

13. अपने मित्र का कुशल-क्षेम जानने हेतु संस्कृत भाषा में पत्र लिखिए। 10

अथवा

संस्कृत भाषा के महत्व को संस्कृत भाषा में लिखिए।

14. संस्कृत भाषा की वर्णोच्चारण-प्रक्रिया लिखिए। 10